गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

मासिक गोलालारीय दर्शन

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। ह्रदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 6 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 अक्टूबर 2014 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

108 मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज का इन्दौर में समाधिमरण

अनुपमा जैन, इन्दौर। नेमीनगर जैन कालोनी में चातुर्मास कर रहे आचार्य 108 श्री पंचकल्याणक सागरजी के परम शिष्य 108 श्री आर्जवसागरजी महाराज का समाधिमरण 30 अगस्त को पयूर्षण पर्व के प्रथम दिवस को हो गया। मुनिश्री सोलहकरण पर्व में एक उपवास और एक आहार के नियम से साधना कर रहे थे। 24 अगस्त को अचानक उनकी तबीयत खराब हुयी और वे अचेतन अवस्था में चले गये। तभी से उनके गुरु श्री पंचकल्याणक सागरजी के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने सतत् णमोकार मंत्र का वाचन जारी रखा जो 30 अगस्त 2014 को प्रात: 9.05 बजे मुनिश्री की समाधि तक चलता रहा। दोपहर 2 बजे नेमीनगर जैन कम्युनिटी हॉल से मुनिश्री का डोला निकाला गया व पुराने बगीचे में आचार्यश्री के निर्देशन में शास्त्रोक्त विधि से उनका अंतिम संस्कार किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने समाधि में श्रीफल अर्पित कर मुनिश्री को अंतिम प्रणाम किया और पयूर्षण पर्व के प्रथम दिन के समस्त कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये। मंदिरो में मुनिश्री का गुणानुवाद किया गया।

परम पूज्य मुनि 108 श्री आर्जवसागरजी महाराज का जीवन परिचय – ग्राम मेहबा जिला पन्ना म.प्र. के बिलउआ परिवार के श्री कल्लू सिंघई एवं श्रीमती रामबाई के यहां वर्ष 1949 में मुनिश्री का जन्म हुआ था, इनके तीन भाई तथा तीन बहनों में आप पांचवे नंबर पर थे। इनके गृहस्थ जीवन का नाम श्री जैकुमार जैन था। इन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती उर्मिला जैन एवं एक पुत्र अमित जैन व दो पोती तथा एक पुत्री को छोड़कर परम पूज्य आचार्य 108 श्री विमलसागरजी महाराज के परम शिष्य परम पूज्य उपाध्याय 108 श्री आत्मासागरजी महाराज से उ.प्र. एटा में 6 अक्टूबर 2011 को मुनि दीक्षा ग्रहण की थी। निर्वाण पश्चात मुनिश्री के पुत्र श्री अमित जैन को मुखाग्नि देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुनिश्री अनिलकुमार जैन फूड इन्सपेक्टर इन्दौर एवं अरुणकुमार जैन भोपाल के गृहस्थ जीवन के जीजाश्री थे।

मुनिश्री के छोटे भाई ने भी वर्ष 1975 में मुनि दीक्षा ग्रहण की थी जो कि आज परम पूज्य आचार्य 108श्री बाँसुपूज्य सागरजी के नाम से विख्यात है तथा वर्तमान में आगरा में चातुर्मास हो रहा है, तथा इनकी माताश्री नेमी ने आर्यिका व्रत ग्रहण कर परम पूज्य आर्यिका 105 श्री श्रेणीमती माताजी के रुप में निर्वाण प्राप्त किया तथा मुनिश्री के बड़े भाई श्री श्रीचन्द्र भी सात प्रतिमा ग्रहण कर आचार्यश्री बाँसुपूज्य सागर के संघ में संघस्थ होकर मुनि दीक्षा ग्रहण करने की ओर अग्रसर है।

आमंत्रण... गोलालारीय समाज के कार्यरत या सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, सीए / सीएस, प्रोफेसर, वकील, धर्माचार्य, विख्यात कंपनियों के अधिकृत व्यापारीगण, बैंक व अन्य विभागों में कार्यरत देश–विदेश के अधिकारियों की जानकारी संपूर्ण विवरण के साथ 30 अक्टूबर 2014 तक अवश्य भेजें।

आप स्वयं या अपने रिश्तेदार और परिचितों का निम्न जानकारियों के साथ – सदस्य का नाम, पत्र व्यवहार का पता, जीवन परिचय, संबंधित क्षेत्र में कार्य विवरण व वार्षिक आय के साथ पासपोर्ट साइज का तात्कालिक फोटो पत्रिका कार्यालय 64, न्यू देवास रोड, या राजेन्द्रकुमार जैन 16, महारानी रोड, इन्दौर पर भेजे। प्राप्त जानकारियों के आधार पर निकट भविष्य में पुस्तक प्रकाशन व सम्मान समारोह कार्यक्रम की रुपरेखा बनाई जा रही है।

मास्टर प्रणय जैन ने कीर्तिमान रचा।

कोमलचंद जैन, इन्दौर। शहर के 11 वर्षीय बाल कलाकार मा. प्रणय जैन ने लगातार 9 घंटे तक इलेक्ट्रीक ड्रम बजाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए नया कीर्तिमान बनाकर अपना दांवा पेश किया है। मास्टर प्रणय जैन की रोमांचक प्रस्तुति के साथ उन्होंने नगर के सबसे बड़े अस्पताल 'एम.वाय. हास्पिटल' के कायाकल्प के लिए 51 हजार रु. की राशि एकत्रित कर दान की। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर कमिश्नर श्री संजय दुबे की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारसिंह कासलीवाल,गोलालारीय समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी, पार्षद श्री अरविंद बागड़ी एवं समाजसेवी डॉ. अनिल भंडारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मास्टर प्रणय के स्कूल अग्रसेन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पाटनी, शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं समाजजनों ने पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहकर उनका काफी हौंसला बढ़ाया। कमिश्नर श्री संजय दुबे ने अपने संक्षिप्त उद्‌बोधन में मास्टर प्रणय का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि लगातार 9 घंटे ड्रम बजाने की प्रस्तुति के साथ जो दूसरा लक्ष्य एम.वाय. अस्पताल के कायाकल्प हेतु धन जुटाने का रखा है वह प्रशंसनीय है। छोटी सी उम्र में बड़ा कार्य करने का जो प्रण प्रणय ने लिया वह अद्वितीय है। 7 वर्ष की छोटी सी उम्र से ही वादन कर रहे मा. प्रणय के गुरु श्री बबलू शर्मा व उनके साथी पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर नगर महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, इन्दौर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री शंकर ललवानी की उपस्थिति में गोल्डन बुक अवार्ड के नेशनल हेड डॉ.मनीष विश्नोई ने मा. प्रणय को रिकार्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मा. प्रणय संजय–अंजू जैन के पुत्र एवं स्व. श्री राजेन्द्रकुमारजी–पुष्पा जैन के पोते है। कार्यक्रम का आयोजन 24×7 फ्रेण्ड्स फाउण्डेशन के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन आनंद कासलीवाल ने किया एवं अंत में आभार संजय जैन ने माना।

पत्रिका का आगामी दिसम्बर 14 का अंक विवाह योग्य प्रत्याशी विशेषांक रहेगा। आप अपने परिवार के योग्य प्रत्याशियों के बायोडाटा (चित्र सहित) सशुल्क 150/– प्रति बायोडाटा दिनांक 15 नवम्बर 2014 तक पत्रिका कार्यालय या राजेन्द्र कुमार जैन, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेज सकते है या ईमेल द्वारा भेजे जाने वाले बायोडाटा की राशि बैंक में जमा कर रसीद को स्केन कर बायोडाटा के साथ भेजने पर ही बायोडाटा को प्रकाशित जावेगा।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन "बागो", 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

संरक्षक सदस्य
श्री विजयकुमार जैन, रामचन्द्र नगर, इन्दौर

आजीवन सदस्य
डॉ. जयकुमार जैन, बबीना केण्ट
श्री राजेश कुमार जैन, दीन दयालनगर, झांसी
श्री जय भगवान जैन, रजत विहार, नोएडा
श्री आजादकुमार जैन, अमानगंज, पन्ना
श्रीमती कुसुम–स्व.श्री गुलाबचंद फणीश, इन्दौर
श्री अभयकुमार जैन, सांदिपन नगर, उज्जैन

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC: SBIN0003134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो फोटोकॉपी के साथ मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रू. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु श्री राजेन्द्रकुमार जैन, हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड या पत्रिका कार्यालय 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर भेजें।

विदेशों में पयूर्षण पर्व धूमधाम से संपन्न हुआ

सुभाष जैन, मुंबई। जैन कम्युनिटी ऑफ नार्थ केलिफोर्निया (JCNC) द्वारा संचालित मिलपिटास, सेनफ्रांसिसको, अमेरिका में स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से 10.30 बजे तक अभिषेक एवं सामूहिक पूजा होती थी। समाजजन लगन से लयबद्ध तरीके से पूजा करते थे। भादो सुदी चौदस के दिन वासुपूज्य भगवान का मोक्षकल्याणक पर्व पर पूजा एवं निर्वाण कांड पढ़कर पर्व को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। शनिवार, 6 सितम्बर को सामूहिक पूजन के बाद छोटे बच्चों द्वारा भी पूजा करायी गयी। शाम के समय, रात्रि में आरती एवं शास्त्र प्रवचन होता था। शास्त्र प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम जैन अंताक्षरी, बच्चों द्वारा नाटक, प्रश्न मंच का आयोजन होता था। सवेरे पूजन के बाद तत्वार्थ सूत्र पर पंडितजी द्वारा प्रवचन होता था। शास्त्र प्रवचन के लिये कोपरगांव (महाराष्ट्र) से श्री पं. अमय कुमारजी दगड़े को आमंत्रित किया गया था। मंदिरजी की पाठशाला में हिन्दी–गुजराती क्लासेस का भी संचालन होता है। मंदिर की लायब्रेरी में सभी जैन ग्रंथ एवं पुस्तकें उपलब्ध है। दसलक्षण पर्व में अवकाश के दिनों में प्रवचन के पश्चात स्वामी वात्सल्य का आयोजन होता था। एकासन करने वाले व्यक्तियों के लिये विशेष व्यवस्था थी। इससे पूर्व 2 अगस्त को मंदिर का 14वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर पंच परमेष्ठी विधान का आयोजन भी किया गया।

आशीष जैन, वाशिंगटन डीसी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में समस्त जैन परिवारों ने पयूर्षण पर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। पयूर्षण पर्व पर भारत से आई डॉ. कमला मेहता ने दस धर्म और आठ कर्मों पर 10 दिन प्रवचन दिए। पयूर्षण पर्व के दिनों में शांति विधान किया गया और रविव्रत का उद्यापन भी किया गया। पयूर्षण पर्व के दिनों में वाशिंगटन डीसी के जैन मंदिर की 25वीं सालगिरह भी मनाई गयी, जिसमें बच्चों और बड़ो ने काफी उत्साह से भाग लिया। वाशिंगटन डीसी में नये जैन मंदिर के निर्माण के लिये लोगों ने बहुत उत्साह के साथ दान दिया। मंदिर के निर्माण की लागत 36 करोड़ रुपये अनुमानित है। मंदिर के भूमि पूजन का कार्य 13 सितम्बर को संपन्न हुआ जिसमें जैन समाज के सभी लोगों ने उत्साह के साथ पूजा करके प्रारंभ किया।

रोहित जैन, सिंगापुर। पर्वाधिराज पयूर्षण महापर्व का आयोजन बहुत ही उत्साह, उमंग और धार्मिक निष्ठा के साथ पूर्ण हुआ। इस वर्ष पयूर्षण में दिगम्बर जैन समाज, सिंगापुर को आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्य श्री कैलाशचन्द्रजी जैन (सीए, कलकत्ता) का अमूल्य पावन सानिध्य प्राप्त हुआ।

श्री वी.के. जैन के निज निवास वॉटरसाइड स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ जिन चैत्यालय में प्रतिदिन प्रात: श्रीजी अभिषेक, शांतिधारा एवं दशलक्षण विशिष्ट पूजन का आयोजन श्री के.सी. जैन के मार्गदर्शन में भावार्थ का विस्तार से व्याख्यान किया, जिसका लाभ भारी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने अर्जित किया। प्रतिदिन संध्याकाल में उपस्थित श्रोतागण को श्री जिनवाणी के व्याख्यान का अनुपम लाभ प्राप्त हुआ, जिसमें मुख्यत: दशलक्षण धर्म की विशिष्टता, दैनिक जीवन में इसका महत्व एवं कर्मो के बंध तथा इसकी निर्जरा के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया। पयूर्षण पर्व के दौरान श्री भक्तामरजी के महामंगल विधान का अनुष्ठान किया गया जिसमें भक्तामरजी की महिमा का विस्तार से वर्णन किया गया। प्रतिदिन प्रवचन के उपरांत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों में विशेषत: छोटे बच्चों को प्रोत्साहित किया गया और जिन धर्म के प्रारंभिक ज्ञान एवं इसकी विशेषता से अवगत कराया। पयूर्षण पर्व का समापन क्षमावाणी के साथ संपन्न हुआ जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज सिंगापुर के सभी सदस्यों ने आपस में करुणा भाव रखकर एक दूसरे से क्षमायाचना की। दशलक्षण पर्व के दौरान सभी ने अपने भावों में निर्मलता का अनुभव किया और स्वाध्याय के जरिये अपनी आत्मा के वास्तविक स्वरुप को जानने का प्रयास किया। क्षमावाणी के उपरांत श्री के.सी. जैन का सादर सम्मान कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

कुण्डलपुर तीर्थ यात्रा संपन्न – अरविन्द जैन बाकल, जबलपुर। नगर के सभी मंदिरों में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पर्युषण पर्व बडे धूमधाम मनाया गया। संगम कालोनी में श्री 108 आचार्य गुरुवार विद्यासागर महाराज की आज्ञानुवर्दी शिष्या श्री 105 अपूर्वमति माता जी के ससंघ सानिध्य में मनाया गया। कालोनी वासियों ने बढ़चढ़कर अनेको सुविधाएँ चन्द्राप्रभु जिनालय के लिए जुटाई। शिवनगर जैन मंदिर में आचार्य श्री शिष्या श्री 105 उपसान्त माता जी संसघ चातुर्मास हेतु विराजमान है। पर्व की समाप्ति पर समाजजनों ने बस द्वारा कुंडलपुर यात्रा का आयोजन किया। वहां पर बड़ेबाबा का विधान किया गया एवं नोहटा पर प्राचीन काल की मूर्तियों के दर्शन किए। दसवीं सदी की मूर्तियां मंदिर जी में विराजमान है जीर्णोद्धार हेतु समाज द्वारा राशि दी गई उसके उपरान्त गुबरा जैन मंदिर के दर्शन का लाभ यात्रिगणों ने लिया।

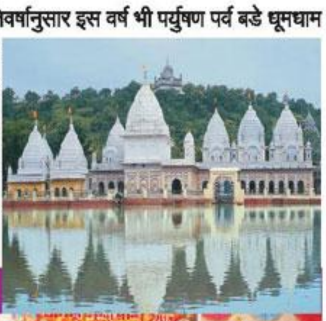

मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग

विजया जैन, ललितपुर। जैन महासमिति वर्धमान महिला संभाग की सहयोगी संस्था वर्धमान एजुकेशनल चेरिटीटेबल ट्रस्ट (रजि.) ललितपुर द्वारा इंटरमीडियट में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद प्रदान की गयी।

श्री अटामंदिरजी में विराजमान मुनिश्री सुबलसागरजी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनिश्री ने धर्मसभा को संबोधित किया। ज्ञान दान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति में संस्कारवान उच्च शिक्षा प्राप्त नवयुवकों की महती भूमिका है इसलिए सभी छात्रों को अपने चरित्र को उज्जवल रखते हुए परिश्रम से पढ़ना चाहिए ताकि देश के निर्माण में वे अपना योगदान दे सके। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्राचार्य श्री अजय जैन ने बताया कि दो वर्षो के अपने अल्पकाल में अनेक विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की गयी। सभी लाभार्थियों ने शिक्षा पूर्ण होने पर इसी तरह दूसरे छात्रों की मदद करने का संकल्प व्यक्त करते हुए महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर दि. जैन पंचायत के पदाधिकारियों में अखिलेश गद्‌याना, संजीव कंडकी एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पर्यूषण पर्व में बही धर्मगंगा

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। नगर वासियों का यह पुण्योदय है कि इस वर्ष पर्यूषण पर्व में संत शिरोमणि आचार्यश्री 108 विद्यासागरजी महाराज के ससंघ चातुर्मास का सुयोग नगर को प्राप्त हुआ है। शीतलधाम, हरीपुरा में धर्मरुपी गंगा में अवगाहन करने का सुअवसर धर्मानुरागी बंधुओं को प्राप्त हुआ। प्रात: श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा आचार्यश्री के मुखारबिंद से तत्पश्चात सामूहिक पूजा आनंदपूर्वक संपन्न हुयी। प्रतिदिन प्रवचन में आचार्यश्री के मुखारबिंद से तत्वार्थ सूत्र के एक अध्याय का अर्थ समझाया जाता था। सायं 6 बजे गुरु भक्ति पश्चात सायंकालीन सामायिक, रात्रि में विभिन्न महिला मंडलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। आचार्यश्री के ससंघ के दर्शन हेतु पधारे हजारों श्रद्धालुओं के भोजन इत्यादि की उत्तम व्यवस्था समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा की गयी।

पर्यूषण पर्व सानंद संपन्न होने के पश्चात क्षमावाणी का कार्यक्रम आचार्यश्री के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात:काल की बेला में प्रवचन के समय में उपस्थित समाजजनों से क्षमा याचना कर आचार्यश्री ने सभी को विस्मित कर दिया। उन्होंने कहा कि क्षमा कायरों का नहीं, वीरों का आभूषण है। कायर तो क्षमा कर ही नहीं सकते है। इसके पूर्व जिन श्रावकों ने पयूर्षण पर्व में पांच या उससे अधिक उपवास किये उन सभी का सम्मान शीतल विहार न्यास की ओर से किया गया।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षमावाणी का जुलूस शीतलधाम मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: शीतलधाम मंदिर पर समाप्त हुआ। गोवंश की रक्षा हेतु संरक्षण निधि हेतु समाज से अपील की गयी जिसमें समाजजनों ने यथाशक्ति सहयोग प्रदान किया। सकल दि. जैन समाज के अध्यक्ष श्री हृदयमोहनजी द्वारा मंच से आचार्यश्री ससंघ से शीतल विहार न्यास एवं समाज की ओर से क्षमायाचना की गयी। आचार्यश्री ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज के श्रावक दुर्बद्धि टेढ़ी जाति वाले है श्रमण तो दिन में 3 बार सभी जीवों

को क्षमायाचना करते है वे तो नारकीयों से भी क्षमायाचना करते है प्रभु बनने के पहले गलती होना स्वाभाविक है गलतियों को स्वीकार करना उपर जाने का सोपान है। वर्तमान में गलतियां ज्यादा हो रही है खुद न जाने, ना माने, लेकिन हर बात को अनावश्यक तानते है, दूसरों का अस्तित्व स्वीकार न करना भी अपराध है। कुपमंडुक के स्थान पर मंडुक बनने का प्रयास करना चाहिए। उलझे हुए मनुष्यों को सुलझे पशुओं का उदाहरण देते हुए सावधान किया। सभी जीवों पर दया भाव रखने से विकास का मार्ग खुलता है तत्पश्चात समाज जनों से एक दूसरे गले मिलकर क्षमायाचना की।

पन्ना – अभिषेक जैन अभि, पन्ना। आत्म साधना, आत्म आराधना का महान् सनातन पर्व पर्युषण पर्व श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान के नाम से सुरभित पन्ना नगर में बहुत आन्नद, उल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। धर्म के दश लक्षण अर्थात दस धर्मो के दिन सुबह से मंदिर जी में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन तथा तत्वार्थ सूत्र जी पर प्रवचन, शाम को आरती, प्रवचन एवं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी ने बहुत ही उत्साह एवं आनन्द पूर्वक धर्ममय वातावरण में अपने परिणामों में विशुद्धी को

बढाया। व्रतों के समापन पर आनन्द मेले का आयोजन कर क्षमावाणी पर्व मंनाया गया जिसमे सभी ने वात्सल्य से अभिभूत होकर विगत वर्ष में जाने अनजाने की गईं गलतियों के लिये एक दूसरे क्षमा मांगी। पर्युषण पर्व के समापन पर बडा बाजार स्थित मंदिर जी से भगवान की शोभा यात्रा निकाली गई जो शहर के सभी प्रमुख मार्ग से होते हुये धाम मोहल्ला स्थित मंदिर पहुँची जहाँ पर भगवान का अभिषेक शांतिधारा व पूजन हुआ तत्पश्चात श्री जी की शोभा यात्रा वापस बड़ा बाजार स्थित मंदिर जी में अभूतपूर्व धर्म की प्रभावना करते हुये संपन्न हुई।

पन्ना जिले में ग्राम सलेहा में स्थित आद्य शासन नायक आदि ब्रम्ह श्री 1008 आदिनाथ भगवान के अतिशय क्षेत्र श्रेयांसगिरी में ससंघ विराजमान बुंदेलखण्ड के प्रथमाचार्य गणाचार्य संत शिरोमणि, अध्यात्म योगी डॉ. श्री 108 विराग सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में दश लक्षण पर्व ऐतिहासिक आन्नद के साथ मनाया गया। आचार्य श्री ने धर्म के दस लक्षणें अर्थात दस धर्मो का स्वरुप का विस्तृत वर्णन किया जिससे धर्म के प्रति लोगों की श्रद्धा बलवती हुई। ये क्षेत्र का एवं आचार्य श्री का ही अतिशय है कि आस पास के सारे अजैन लोगो ने आचार्य श्री के पादमूल में मांसाहार का त्याग किया एवं कई व्रत, संयम एवं नियम लिये। अभी आचार्य श्री के द्वारा पन्ना जिले के सभी स्कूलो में बच्चों को संस्कारित करने के लिये उनमे राष्ट्र एवं समाज के समर्पित रहने व उनके उत्थान एवं विकास के प्रयास करने के लिये बच्चों में अच्छे संस्कार पल्लवित करने हेतु शाकाहार एवं व्यसनमुक्ति शिविर लगाने की प्रेरणा दी जा रही है।

झाँसी – राजेश जैन, झाँसी। झाँसी नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित जैन मंदिरों में पर्यूषण पर्व हर्षोल्लास के साथ सानंद सम्पन्न हुये। प्रात:काल की बेला में नित्यमय अभिषेक एवं संगीतमय पूजा विधान अनवरत दस दिनों तक चलता रहा। दोपहर में तत्वार्थसूत्र की कक्षा एवं संध्या काल में तीर्थंकरों की आरती जिसमें सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया, तदुपरांत उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन एवं ब्रह्मचर्य धर्म पर अहमदाबाद से पधारे विद्वान प्रो. शेखरचंद जैन के सारगर्भित प्रवचन के माध्यम से समाज को धर्म का मर्म बताया। पर्यूषण के बाद समाज द्वारा नगर में विमान भ्रमण के उपरान्त श्रीजी का अभिषेक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इन दस दिनों में विभिन्न जैन संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाटक मंचन, धार्मिक, अंताक्षरी, प्रश्न मंच, भाषण, भजन प्रतियोगिता एवं ओजस्वी विचारों के माध्यम से "बचों का माता–पिता के प्रति कर्तव्य एवं बहुओं का सास–ससुर के प्रति कर्तव्य" विषय पर वक्ताओं ने अपने विचारों से अवगत कराया। इसके उपरान्त श्रेष्ठ वक्ताओं को पुरस्कृत किया गया। पयूर्षण के उपरान्त क्षमावाणी का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे समाजजनों ने उनके द्वारा वर्षभर में जाने अनजाने में की गई, गलतियों पर सभी से क्षमा याचना की।

गलती करना सफलता का सूत्र बन सकता है – 108 मुनि श्री सुव्रत सागरजी

विशाल जैन पवा, तालबेहट। सिद्ध क्षेत्र पावागिरी में दशलक्षण महापर्व एवं सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर विमानोत्सव के आयोजन के साथ क्षमावाणी महापर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँचकर मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का अभिषेक पूजन किया। मुनिश्री सुव्रतसागर महाराज ने मंत्रोच्चार करते हुए शांतिधारा का आयोजन कराया, भक्तगण मंगल आरती के कार्यक्रम में प्रभु की भक्ति में झूम उठे। मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में आयोजित किये गये, जिसमें विमानोत्सव के अंतर्गत श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। धर्मावलंबी श्रीजी को विमान में लेकर चल रहे थे, सबसे आगे मुनिश्री एवं उनके पीछे युवक–युवतियां एवं बच्चे सत्य, अहिंसा के नारे एवं मुनिश्री सुव्रतसागर एवं भगवान पार्श्वनाथ और महावीर स्वामी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे, महिलाएं मंगल गीत गाती हुयी चल रही थीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में रजनी दीदी, बबीना ने मंगलाचरण किया तत्पश्चात आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज का चित्र अनावरण, द्वीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, समस्त वेदी के शिखरों पर ध्वजारोहण, कलशाभिषेक एवं फूलमाल का आयोजन किया गया। मुनिश्री सुव्रत सागर महाराज का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किया एवं महाआरती की गयी। इस अवसर पर मुनिश्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जीवन में क्षमा को धारण करना चाहिए, क्रोध सभी पापों की जड़ है, क्षमा मांगना और क्षमा कर देना दोनो श्रेष्ठ है। मुनिश्री ने कहा कि जब मनुष्य का जन्म होता है तब उसे किसी न किसी के आश्रय की जरुरत होती है, मनुष्य पर्याय सभी योनियों में श्रेष्ठ रत्न है, हमें जाति और धर्म से ही नहीं अपितु क्रियाओं, आचरणों और गुणों से भी जैन बनना है। गलती करना आदमी का स्वभाव है लेकिन यदि उससे सीख न ली जाय तो कभी भी हमारा कल्याण नहीं हो सकता। और यदि पहली बार में ही गलती से सीख ले ली जाये तो गलती करना सफलता का सूत्र बन सकता है, सही निर्णय लेना हमारी सफलता का राज है, अनुभव से सही निर्णय लेना सीखते हैं और अनुभव हमें गलतियों से ही मिलता है। सभी ने पयूर्षण पर्व में दस धर्मो की आराधना के द्वारा आत्मा को पवित्र बनाया है, अब हमें बैर को मिटाने के लिए जीवन में की हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगकर क्षमावाणी महापर्व को सार्थक बनाना है। अंत में सभी ने एक दूसरे से गतवर्ष में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगी एवं गले मिलकर क्षमावाणी पर्व मनाया। संचालन श्री ज्ञानचंद्र पुरा एवं आभार श्री जयकुमार कंघारी ने व्यक्त किया।

इन्दौर गोलालारीय समाज की बहुआयामी पारिवारिक पुस्तिका 'प्रयास' के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है। इस पुस्तिका में मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र में निवासरत गोलालारीय परिवार की जानकारी प्रकाशित की जाना है। जिन परिवारों ने जनगणना फार्म जमा नहीं कराये है वे शीघ्र ही जमा करायें एवं जिन परिवारों को फार्म प्राप्त नहीं हुए है वे 9329524227, 9425903301, 9424013136 पर संपर्क कर फार्म प्राप्त कर सकते है। विशेष – नगर में अध्ययनरत/नौकरी/व्यवसाय कर रहे एकल व्यक्ति भी अपनी जानकारी अवश्य देवें। समाज जनों से सादर अनुरोध है कि वे इस सूचना की जानकारी शहर में आये नवीन परिवारों या शिक्षारत विद्यार्थियों को अवश्य देवें।

संपादक की कलम से...

समाज के लिए हम कब संपन्न होंगे ?

आज से लगभग साढ़े छ: वर्ष पूर्व जून 2008 में सामाजिक गतिविधियों की जानकारी देने, समाज की समाज प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने तथा विवाह योग्य प्रत्याशियों की जानकारी एक ही छत के नीचे प्राप्त हो सके, इस भावना के साथ हमने गोलालारीय दर्शन पत्रिका के प्रकाशन का बीड़ा उठाया था, जो समग्र जैन समाज की अनेक पत्र–पत्रिकाओं के बीच मुखर रूप से स्वाभिमान पूर्वक अपने गोलालारीय समाज की बात रख सके। प्रारंभ में हमें लगा था कि काम थोड़ा मुश्किल है परन्तु अनेक नगरों से वरिष्ठजनों ने हमारा उत्साह बढ़ाकर हमारा मार्ग प्रशस्त किया, जिनके हम सदैव आभारी रहेंगे।

आज यह पत्रिका 4200 परिवारों को निरंतर भेजी जा रही है। कई सदस्यों ने पत्रिका के लिए विशेष सहयोगी बन आर्थिक सहयोग प्रदान कर हमें सुदृढ़ बनाया है तो कुछ ने एक वर्ष की राशि प्रदान कर हमारी भावनाओं का सम्मान किया है परन्तु आर्थिक सहयोग देने वाले सदस्यों की संख्या बहुत अधिक नहीं है। 4200 गोलालारीय परिवारों में से आर्थिक सहयोग करने वाले मात्र 206 सदस्य ही है (जिन्होंने ने 25 रुपये से अधिक राशि दी है)। जिसमें से (2100 रु. से अधिक राशि देने वाले सदस्य) विशेष सहयोगियों की संख्या मात्र 42 है । हम स्वयं विचार करे कि हमने कितना सहयोग दिया है, फिर भी गत 6 वर्षों से निरंतर आप तक पत्रिका पहुंचाने के लिए हम सतत् प्रयासरत है। आज हमारे समाजजनों का जीवन स्तर पूर्व की अपेक्षा काफी अच्छा व संपन्न है, फिर न जाने क्या बात है कि हम हमारी मातृ संस्था को दिल खोलकर सहयोग नहीं दे पाते है।

पत्रिका का अगला अंक कब निकलेगा ? विवाह योग्य प्रत्याशियों का परिवार कैसा क्या है इत्यादि सवालों के जवाब की तो हमसे अपेक्षा की जाती है परन्तु आज तक एक भी सदस्य ने यह नहीं पूछा कि गत 6 वर्षों से विषम परिस्थितियों में भी पत्रिका का कार्य कैसे चल पा रहा है ? प्रकाशन व डाक व्यवस्था की राशि का इंतजाम कैसे हो रहा है? कभी कभी हमारे जेहन में बरबस ही यह सवाल उठता है कि क्या हम अपने समाज की इस पत्रिका को प्रकाशित होते हुए देखना ही नहीं चाहते है, हम पुन: उसी अवस्था में जाना चाहते है जहां 4–5 समाजजन खड़े होकर यही चर्चा करे कि हमारा समाज कुछ भी नहीं करता है। हम तत्काल ही अपने समाज की तुलना दूसरे समाज के कार्यो से करने लगते है यह नहीं देखते है कि अन्य जैन समाज के सदस्यों ने समाज निर्माण में कितना त्याग व सहयोग दिया है। अरे,समाज की सुदृढ़ता सदस्यों के समर्पण एवं सहयोग पर ही निर्भर है। हम सशक्त समाज तो चाहते है परन्तु बिना किसी त्याग, समर्पण व सहयोग के, तो एक बार पूर्ण ईमानदारी से विचार करे कि भविष्य में हमारे हाथ क्या आयेगा ?

हमने तो चाहा था कि 4200 परिवारों में से 1000 परिवार ही विशेष सहयोगी या उससे उपर के सदस्य बन जावे तो एकत्रित धनराशी के ब्याज से ही यह पत्रिका आजीवन निर्बाध प्रकाशित होती रहेगी, शायद हमारा यह अनुमान गलत सिद्ध हुआ। वर्ष 2013–14 में पत्रिका को लगभग 35000 रु. की हानि हुई है। कुछ सदस्यों की सलाह है कि राशि एकत्रित करने नगर–नगर जाया जाये। कुछ का कहना है जो सदस्य आर्थिक सहयोग नहीं दे रहे है उन्हें पत्रिका भेजना बंद कर दिया जाये। कुछ की सलाह थी कि पत्रिका में सदस्यता फार्म प्रकाशित कर देवे समाजजन स्वत: ही सदस्य बन जायेंगे। गत अंक में हमने यह प्रयोग भी किया किन्तु मात्र 2 लोगों के फार्म प्राप्त हुये जिसमें से 1 सदस्य ने राशि भेजी और 1 सदस्य ने सिर्फ जानकारी। अब आप ही बतायें कहां है हमारा समाज प्रेम और कहां है हमारी संपन्नता और स्वाभिमान ? हम किस आशा के सहारे और कब तक इस संस्था को आगे चला पायेंगे ?

अनेक अवसरों पर हम हजारों लाखो रुपये पानी की तरह बहा देते है, धार्मिक आयोजनों में मुकुट धारण कर हजारों को बोली लेकर पुण्यार्जन करते आये है परन्तु अपनी मातृसंस्था के लिए हमारे हाथ और दिल सदैव खाली रहते हैं, ऐसा क्यों ? जब हम अपने समाज में मान सम्मान पाना चाहते है तो अपने ही समाज को दिल खोलकर सहयोग करने में पीछे क्यों रहते है?

यदि हम इस भरोसे रहेंगे कि कोई दूसरा सदस्य सहयोग करेगा तो यह संस्था कभी भी अपने मूल लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकेगी। अत: हम अपने सार्मथ्य को जाने और अपने समाज के एकमात्र मुखपत्र गोलालारीय दर्शन को समृद्ध बनाने के लिए सहयोग प्रदान करें। आपका छोटा सा सहयोग भी हमें बड़े कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा । तभी हम अपने कुल, कुटुम्ब व समाज के मान सम्मान कों बढ़ाकर सुदृढ़ बना पायेंगे। विवाह वर्षगांठ, जन्मदिवस, विवाह शुभकामना एवं शोक संदेशों को प्रकाशित कराकर आप हमें आर्थिक संबल प्रदान कर सकते है। इस पत्रिका से जुड़े क्षेत्रीय प्रतिनिधि और संपादक मंडल सभी निस्वार्थ भाव से अपने व्यस्ततम जीवन में से समय व धन लगाकर पत्रिका आपके हाथों तक पहुंचा रहे है। हमारा यह प्रयास सतत बना रहे इसके लिए हमारा आपसे सादर अनुरोध है कि इस पत्रिका को समाज की आवाज मानकर दिल खोलकर आर्थिक सहयोग प्रदान करें ताकि वर्ष में 5 बार प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक माह प्रकाशित हो सके।

– राजेन्द्र जैन 'बागो', संपादक

समाज गौरव

एडवोकेट स्व. श्री धन्नालाल जैन

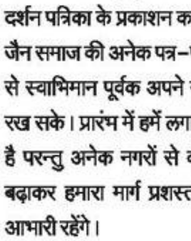

सामाजिक सेवा की भावना से ओतप्रोत होने के कारण एडवोकेट स्व. श्री धन्नालाल जैन का राजनैतिक जीवन से सीधा संबंध था। जब पूरा देश गुलामी की जंजीरों को तोड़ने में बैचेन था तब आप अठाईस वर्ष की उम्र में राजनादगांव स्टेट कांग्रेस के अध्यक्ष बने। रियासतों पर राजाओं का नियंत्रण था जिससे मुक्ति के लिए प्रजा परिषदों का निर्माण पूरे देश में हो रहा था। आप राजनादगांव की प्रजा परिषद के सदस्य 1940 से 1946 तक रहे। 1946 में आपको नगर पालिका परिषद का अध्यक्ष बनाय गया। यह समय नादगांव को व्यवस्थित साफ सुथरा बनाने का रहा। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ, विभिन्न क्षेत्रों में राज्य विकास को गति देने के लिए योजनायें/प्राधिकरणों का निर्माण हुआ। जिसमें आपको मध्यप्रदेश राज्य परिवहन प्राधिकरण का सदस्य बनाया गया, सन् 1960 तक आप इसके सदस्य रहे। राज्य स्तरीय बसों के परिवहन के प्रारंभ में शासकीय बसों की भूमिका का यह युग था। सन् 1952 के पहले आमचुनाव में आप मध्यप्रदेश विधान सभा में कांग्रेस के प्रतिनिधि बने। 1957 में जब नये प्रांतों का निर्माण हुआ और मध्यप्रदेश का नया नक्शा सामने आया, तब आप नये मध्यप्रदेश की नई विधानसभा के प्रजा निर्वाचित सदस्य रहे। आपके विधान सभा सदस्य की समयावधि 1952 से 1962 तक रही। सन् 1960, 1961 में क्षेत्रीय रियासती मण्डल, समिति के आप सदस्य रहे।

राजनांदगांव में दिगम्बर जैन पंचायत की स्थापना में सभी दिगम्बर जैनों को एक मंच पर लाकर उसके अध्यक्ष बने। आपने दो घड़ो में बंटी समाज का मनो–मालिन्य दूर कर आपसी सहमति से समाज को मजबूत किया, समाज में धर्ममय वातावरण परिपक्व होता गया। आज समाज में इतना धर्ममय वातावरण है कि निरंतर संघो के चातुर्मास हो रहा हैं। आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराजजी के आशीर्वाद से नये विकसित हो रहे तीर्थस्थल डोंगरगढ़ प्रसिद्ध तीर्थस्थलों की श्रेणी में शामिल है। डोंगरगढ़ मंदिर के स्वरुप परिवर्तन एवं संसाधनों के सर्वोपयोगी विस्तार में आपकी महती प्रारंभिक भूमिका रही। ऐसे सक्रिय निष्काम प्रवृति के धारक एकता के पोषक, आकर्षक व्यवहार के धनी सहयोगी का पर्याय परिवर्तन 20 अक्टूबर 1998 को हो गया ।

संकलन – डॉ. पी.सी. जैन, चकराघाट, सागर

चलो पाविगरीजी चलें

विशाल जैन पवा, तालबेहट। श्री 1008 श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी में स्वर्ण भद्र, गुणभद्र, वीरभद्र और मणिभद्र मुनिराजों का मोक्ष कल्याणक प्रतिवर्ष अगहन वदी2 से अगहन वदी 5 तक वार्षिक मेला के माध्यम से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, जिसमें हजारों संख्या में भारत वर्ष से श्रद्धालु पहुंचकर पुण्यार्जन करते है। इस वर्ष भी यह मेला मुनिश्री सुव्रतसागर के मंगलमय सानिध्य में आयोजित किया जावेगा, मुनिश्री के पावन आशीर्वाद से क्षेत्र पर विश्व की अद्वितीय त्रिकाल चौबीसी एवं भगवान पारसनाथ स्वामी के गणधर मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है।अत: 8 नवम्बर 2014 से 11 नवम्बर 2014 तक आयोजित होने वाले पावागिरीजी मेला में पहुंचकर पुण्य लाभ प्राप्त करें। यह मेला जैन समाज के शादी विवाह हेतु संबंध जोड़ने के लिए विशेष रुप से प्रसिद्ध है, जिसमें गोलालारीय दर्शन पत्रिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए मेला क्षेत्र पर विवाह योग्य प्रत्याशियों का बायोडाटा एकत्रित कर प्रकाशित करती रही है इस परम्परा को और सशक्त बनाने के लिए हम गोलालारीय समाज जिले, मण्डल एवं प्रदेश के प्रतिनिधि यहां पधारकर अपना सहयोग प्रदान करे। इस क्षेत्र का प्राकृतिक सौंदर्य, अतिशय एवं चमत्कार अवर्णीय है, प्रत्येक माह की 15 तारीख को पारसनाथ दरबार में सैकड़ो श्रद्धालु आते हैं।

"मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना"

मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष से अधिक) उनके जीवनकाल में एक बार प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों में से किसी एक स्थान की यात्रा सुलभ कराने हेतु शासकीय सहायता प्रदान करने की योजना प्रारंभ की गई है योजना अंतर्गत यात्रियों के यात्रा व्यय एवं उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं को विनिश्चय शासन द्वारा किया जावेगा। धार्मिक यात्रा के लिये निर्धारित तीर्थ स्थानों की सूची में वर्तमान में 17 धार्मिक तीर्थ स्थानों को सम्मिलित किया गया है। यात्रियों का चयन कलेक्टर द्वारा निर्धारित प्रक्रिया अनुसार किया जावेगा तत्पश्चात संबंधित एजेंसी द्वारा यात्रियों के समूह को यात्रा पर ले जाने की व्यवस्था की जावेगी। सम्मेद शिखरजी,गया, काशी (वाराणसी), श्रवणबेलगोला, बद्रीनाथ, केदारनाथ, अमरनाथ, जगन्नाथपुरी, द्वारकापुरी, वैष्णोदेवी, हरिद्वार एवं अन्य कई तीर्थ शामिल है।

बेचना है –एम.आर.10 पर लॉर्ड आदिनाथ कालोनी में मंदिरजी के नजदीक का 1000 स्के. फीट का प्लाट बेचना है। संपर्क करे –जिनेन्द्र जैन, 09329715526

"जो आत्मा को पावन करें, वो पर्व हैं"

अनुपमा जैन, इन्दौर। '' जो भोगी को भी संयम सिखाये और जो आत्मा को पावन करे, वह पर्व है। पयूर्षण पर्व की यह सारगर्भित परिभाषा दी आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के परम् शिष्य ब्र. श्री अनिल भैयाजी ने जो समाज के वार्षिक क्षमावाणी एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि थे। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने माता पिताओं को बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने का आह्वान की।

क्षमावाणी और प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में भैयाजी के साथ इंदौर समाज के गणमान्य ट्रस्टी एवं नागपुर समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री नेमीचंदजी एवं प्रकाशचंदजी तथा ललितपुर समाज से श्री उत्तमचंदजी जैन अतिथियों के रुप में मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमति योजना राज पंचरत्न के सुमधुर मंगलाचरण की प्रस्तुति से हुआ। अतिथियो के सम्मान के पश्चात पर्यूषण पर्व में तपसाधना करने वाले श्रावकों को सम्मान किया गया। यह सम्मान प्रतिष्ठित विद्वान पं. श्री बाबूलालजी फणीश ऊनवालों की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के इस भाग का संचालन श्री सुधेश कुमार ने किया। इसके साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट सेवायें देने वाले समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण मे मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। इसमें कक्षा एक से कक्षा बारहवीं तक विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिये गये। यह पुरस्कार पं. खेमचंदजी इन्दौर की स्मृति में उनकी सुपुत्री श्रीमती विजया अजय जैन, ललितपुर द्वारा प्रदान किये गये। प्रत्येक विद्यार्थी को इन्दौर समाज की ओर से पुरस्कार एवं 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति अनुपमा जैन द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रम परम्परानुसार समाज के एकमात्र मंदिर 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, न्यू देवास रोड़ पर सम्पन्न हुआ। वर्तमान में मंदिरजी में जीर्णोद्धार का कार्य पूर्णता की ओर है। उपस्थित श्रद्धालुओं ने मंदिरजी जीर्णोद्धार, गोलालारीय दर्शन पत्रिका एवं क्षमावाणी भोजन व्यवस्था में बढ़ चढ़कर सहयोग राशि दान की। समाज की महिला मंडल शाखा द्वारा रुपये 25000/– की राशि दान दी गई। सचिव श्री बाहुबली जैन ने वार्षिक गतिविधियों को ब्यौरा दिया एवं अध्यक्ष श्री कोमलचंद ने आभार प्रदर्शन किया। इसके पश्चात श्री जी का अभिषेक हुआ तत्पश्चात सभी ने परस्पर क्षमायाचना एवं स्वामी वात्सल्य का आनंद लिया।

* गोलालारीय समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न *

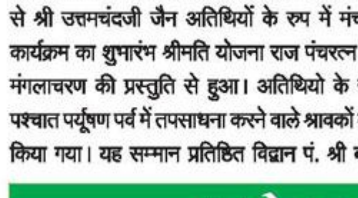

अनिल जैन, छतरपुर। पयूर्षण पर्व के दौरान नगर के सभी मंदिरों में नित्य पूजा अर्चना के साथ पर्व के दसों दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सानंद संपन्न हुआ। क्षमावाणी कार्यक्रम के दौरान गोलालारीय समाज के प्रतिभावान छात्रों को 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका द्वारा प्रदत्त प्रशंसा पत्र नगर समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी श्री पदमचन्द्रजी टिकरियावाले हरपालपुर के कर कमलों द्वारा वितरित किये गये। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान में हम सभी अपने बच्चों को संस्कारवान बनाये और उन्हें जैनदर्शन के बारे में अवगत करावे और सभी विद्यार्थी आगामी परीक्षा में और अच्छे अंक अर्जित कर समाज को गौरवांवित करे। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। श्री धन्यकुमार जैन, श्री जिनेन्द्र जैन पहाड़गांव, श्री पुष्पेन्द्र जैन पनोठा, श्री पुष्पेन्द्र जैन चेतगिरी कालोनी, मनोज जैन, अमित जैन, रवीन्द्र जैन, सचिन जैन, अनिल जैन, श्रीमती रेखा जैन इस अवसर पर उपस्थित हुई। कार्यक्रम का संचालन श्री अनिलकुमार जैन द्वारा किया गया।

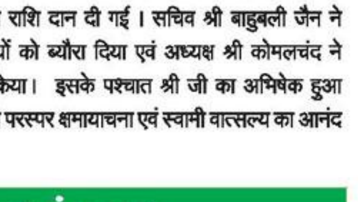

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। ''गोलालारीय दर्शन'' पत्रिका ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गंजबासौदा गोलालारीय समाज के संयुक्त कार्यक्रम में नगर के होनहार प्रतिभाओं का सम्मान अनिल प्रिंटिंग प्रेस पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि लखनऊ से पधारे श्री पी.सी. जैन से.नि. बैंक प्रबंधक थे। इस कार्यक्रम में प्रतिभाशाली बच्चों को ''गोलालारीय दर्शन'' पत्रिका द्वारा प्रमाण पत्र एवं कार्याध्यक्ष श्री डॉ. अनिल जी दिवाकीर्ति द्वारा अपने पूज्य पिता श्री श्रीनन्दन लाल जी दिवाकीर्ति की स्मृति में स्मृति चिन्ह स्वरूप ट्राफी प्रदान की गई। सर्वप्रथम मास्टर अरिहंत जैन द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात विशेष अतिथि श्री पी.सी. जैन, श्री डॉ. अनिल जी दिवाकीर्ति, समाज अध्यक्ष शांतिकुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्री रमेशचंद भंडारी द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्री शिखरचंद जी जैन शिखर द्वारा किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पर्युषण पर्व

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। नगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पर्युषण पर्व मनाये गये। नगर के सातों दिगम्बर जैन मंदिरों व पाँच तारण तरण चैत्यालय में पूर्ण भक्ति भाव से अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रत्येक मंदिर में बाहर से पधारे हुये विद्धानों ने दशलक्षण पर्व पर मार्मिक प्रवचन कर दश धर्मो का सार बताया। प्रात: अभिषेक शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजा पश्चात विद्धानों द्वारा तत्वार्थ सूत्र की वाचना की गई। रात्रि में संगीतमय आरती, एवं प्रवचन तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये जिसमें समाज के बच्चे से लेकर युवा एवं बुजुर्गो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसी क्रम में स्थानीय महावीर बिहार में तेजस ग्रुप द्वारा आपकी अदालत कार्यक्रम रखा गया। जिसमें नगर के लोक प्रिय विधायक श्री निशंक जैन को जनता (समाज) के प्रश्नों का जवाब देना था। उपस्थित जन समूह के सामाजिक एवं नगर विकास संबंधी प्रश्नों का विधायक श्री निशंक जैन ने बड़े उत्साह से जवाब देकर जनता (समाज) का दिल जीत लिया।

पर्युषण पर्व के सानंद संपन्न होने के पश्चात देवाधिदेव 1008 श्री जिनेन्द्र भगवान एवं तारण समाज की जिनवाणी पालकी जी का चल समारोह एक साथ बड़ी ही प्रभावना के साथ निकाला गया। चल समारोह 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धूसरपूरा से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होता हुआ 1008 श्री त्रिमूर्ति जैन मंदिर पहुंचा जहाँ श्री जी के अभिषेक शांतिधारा का कार्यक्रम हुआ तत्पश्चात सकल जैन समाज का क्षमावाणी कार्यक्रम संपन्न हुआ। चल समारोह में आगे आगे धर्मध्वजा लिये हुये घुड़सवार थे इसके बाद दिव्य घोष जैन धर्म की जय घोष करते हुये चल रहे थे। तत्पश्चात युवाओं की टोली भजन गाते हुये चल रही थी इसके बाद श्री जिनेन्द्र देव का विमान एवं श्री पालकी जी को श्रद्धालु अपने कंधो पर उठाये जय जयकार करते हुये चल रहे थे। चल समारोह में जगह जगह श्री जिनेन्द्र देव एवं जिनवाणी जी आरती उतारी गई। रात्रि में संगीतमय आरती के पश्चात अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रख गया। चल समारोह में बहुत अधिक संख्या में लोगो ने भाग लिया।

श्रेयांसकुमार जैन, अहमदाबाद। नगर के विभिन्न मंदिरों में पयूर्षण पर्व के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सानंद संपन्न हुआ।

* अंबिका नगर, हरिशंचद जैन। श्री कलिकुंड पार्श्वनाथ दिग. जैन मंदिर जी में पयूर्षण पर्व के दौरान पं. श्री अखिलेशकुमारजी शास्त्री (सांगानेर) संगीत पार्टी कमलकुमार (अहमदाबाद) द्वारा संगीतमय कार्यक्रम के साथ प्रात: अभिषेक, शांतिधारा पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ, दोपहर मोक्षशास्त्र का वाचन, सायंकाल संगीतमय आरती पश्चात प्रवचन एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ हुई। अंतिम दिन विराट मूर्तिका महाभिषेक हुआ। क्षमावाणी के साथ वात्सल्य भोज का श्रेय अंबिकानगर निवासी श्री विनयकुमार धन्यकुमार (राजा) की ओर से सानंद हुआ। श्री अजितकुमारजी ने समाज से क्षमावाणी पर आभार प्रकट किया।

* मेघाणी नगर (नेताजी नगर), नरेश जैन। श्री 1008 सुमतिनाथ दि. जैन मंदिरजी में पयूर्षण पर्व पर प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, सायंकाल मंगल आरती, प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। क्षमावाणी दिवस पर भव्य रथयात्रा हर्षोल्लास पूर्वक निकाली गयी तत्पश्चात प्रभावना वितरण संपन्न हुआ।

* शिवानंद नगर, हुकुमचंद पंचरत्न। श्री महावीर दि. जैन मंदिर में महापर्वाधिराज पयूर्षण पर्व पर प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, पूजन–विधान आनंद से संपन्न हुए। चतुर्दशी पर विशेष कार्यक्रम के साथ पर्व संपन्न हुए। क्षमावाणी पर्व पर स्वामी वात्सल्य व रथयात्रा धूमधाम से निकाली गयी।

* गोमतीपुर, सुरेन्द्र जैन। नगर का प्राचीन जिन मंदिर श्री संभवनाथ दि. जैन मंदिरजी में प्रात: अभिषेक, शांतिधारा व पूजन संगीत के साथ सानंद संपन्न हुई। सायंकाल चतुरसिंग एण्ड पार्टी (करैरा) के संगीत के साथ पं. संजीवकुमार वरधुवां मंगल महाआरती हुयी। निर्माणाधीन जैन भवन का कार्य तीव्रगति से चलता देख समस्त समाज ने कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा कर सहयोग प्रदान किया, शीघ्र ही यह निर्माण कार्य पूर्ण हो ऐसा श्रीजी से प्रार्थना की।

शब्द जाल प्रतियोगिता – 6

Find out "animal babies" hidden in "Shabd Jaal". use the hints given below :-

C	A	P	U	P	P	Y	L	L	C	A	P
T	K	L	I	C	D	L	M	O	U	N	S
L	I	M	E	G	T	U	S	R	B	P	T
L	D	T	D	L	L	N	L	O	S	C	A
D	A	U	C	K	C	E	T	R	Y	A	C
U	T	M	A	C	B	L	T	P	R	L	B
C	C	A	B	B	T	C	A	C	D	F	R
K	I	T	T	E	N	P	H	L	N	P	T
L	O	Q	P	W	U	N	M	I	L	L	C
I	O	C	T	L	L	C	O	I	C	P	B
N	N	F	O	A	L	B	P	L	T	K	A
G	K	A	O	L	M	E	R	E	K	P	N

A baby Dog A baby Cow A baby Cat A baby Hen
A baby Duck A baby Pig A baby Goat A baby Lion
A baby horse A baby Sheep

निम्नलिखित पते पर भेजें – **'गोलालारीय दर्शन' 16, महारानी रोड, इन्दौर या 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर** । प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को पुरस्कृत किया जावेगा, आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे। * **नियम** – प्रतियोगिता 8 वर्ष से 13 वर्ष तक के बच्चों के लिए ही है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 15 नवम्बर 2014** सही जवाब के साथ वर्ष 2014 की अंकसूची की फोटोकॉपी (जिसमें जन्म दिनांक अंकित हो) पर अभिभावक का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो अवश्य भेजें। संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

शब्द जाल प्रतियोगिता 3 के विजेता

अनु जैन
झांसी

चार्मी जैन
इन्दौर

सृष्टि जैन
झांसी

हर्ष जैन
विदिशा

आयुषी जैन
ललितपुर

शब्द जाल प्रतियोगिता 4 के विजेता

आस्तिक्य जैन
पन्ना

समृद्धि सिंघई
विदिशा

पूर्वी जैन
गोधरा

यश जैन
इन्दौर

सम्यक जैन
पन्ना

शब्द जाल प्रतियोगिता 5 के विजेता

भूमि जैन
विदिशा

तनिष्क जैन
झांसी

अरिहंत जैन
झांसी

आदित्य जैन
ललितपुर

पुरस्कार व्यक्तिगत रुप से या डाक द्वारा भेजने की व्यवस्था की गयी है।

* शब्द जाल प्रतियोगिता 3 में इनके उत्तर भी सही पाये गये – अनमोल जैन तालबेहट, अनुष्का जैन खरगोन, भूमि जैन विदिशा, सम्यक जैन विदिशा, रीथ जैन इन्दौर।

* प्रतियोगिता 4 – सुरभि जैन पन्ना, हर्षिल जैन इन्दौर, निशिका जैन विदिशा, पारस जैन इन्दौर, अवनि जैन पन्ना, हर्ष जैन विदिशा, सम्यक जैन विदिशा, रीथ जैन इन्दौर।

* विनम्र श्रद्धांजली *

* **सिंघई श्री वीरेन्द्रकुमारजी धीवाले** का स्वर्गवास 13 अगस्त को ललितपुर में हो गया। आप काफी मिलनसार व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। दूसरों की मदद करने का भाव आपके हृदय में सदा ही रहा।

* स्वर्गीय श्री नेमीचंदजी की धर्मपत्नी एवं सुरेन्द्र जैन की **माताजी श्रीमती सुशीलाबाई** का निधन 13 अगस्त 14 को इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभावी एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी।

* इन्दौर समाज की बुजुर्ग पीढ़ी के वरिष्ठ सदस्य **श्री प्रेमचंदजी** का निधन 2 सितम्बर को अल्प बीमारी के बाद हो गया । आप सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

* **श्री राजेन्द्र कुमार जैन बैतूलवालों** का निधन 17 सितम्बर को इन्दौर में हो गया। आप मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे।

* स्व. श्री छोटेलालजी की धर्मपत्नी **श्रीमती प्रेमाबाई जैन** का निधन 85 वर्ष की आयु में इन्दौर में हो गया। आप धर्मनिष्ठ एवं सरल स्वाभावी एवं मृदुभाषी महिला थी।

गोलालारीय दर्शन परिवार
विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

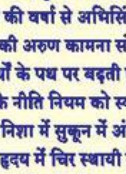

श्री धन्नालालजी जैन

धन ना था मगर धर्म की राह पर चल।
भरत सी भावना के साथ विशाल
हृदय लिए कुल व रिश्तों को,
सुख की वर्षा से अभिसिंचित
करने की अरुण कामना संजोये,
उत्तम पुरुषार्थों के पथ पर बढ़ती एक विभूति,
जो संसार के नीति नियम को स्वीकार कर,
जीवन की निशा में सुकून में अंतिम सांसे,
ले हमारे हृदय में चिर स्थायी स्मृति दे,
अनंत की यात्रा की ओर निकला एक पथिक,
जिनके चरणों में समर्पित
श्रद्धा का दीपक और कुसुम के पुष्प ।।
आप थे आप हैं और सदा रहेंगे ।।

श्रद्धावनत -
श्रीमती कुसुम जैन
भरत–भावना जैन, अरुण–निशा जैन
विशाल–वर्षा जैन, दीपक–नीति जैन
विभूति–विशाल जैन
नाल्ट्रन टेक्नोलॉजी प्रा. लि. एवं
कुसुम एग्रो इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद

''बस इतनी तमन्ना है प्रभु, सामने हो मेरे और प्राण निकल जाये'' भजन की ये पंक्तियॉं गाते हुये हम अक्सर प्रभु से यह भावना भाते है किंतु बिरलों को ही ऐसा अवसर प्राप्त होता है। 15 अगस्त के दिन झांसी निवासी श्री लाल चन्द्रजी जैन ऐसे ही बिरले थे जिन्होने पूजन के वस्त्रों में, इन्द्र जैसा हार मुकुट धारण किये हुये श्री जी का अभिषेक किया और शांति धारा देखते और पढ़ते पढ़ते ही अचानक गिर पड़े और कुछ ही घंटो में ही मानो विदेह की उस अनंत यात्रा की ओर चल पड़े। इन्द्र समान धारण वेशभूषा में ही उनका अंतिम संस्कार किया गया। आप पॉलीटेक्नीक कालेज से सेवानिवृत्त प्राचार्य थे । श्रद्धांजली सभा में समाजजनों ने इस बात का विशेष उल्लेख किया जन्म जन्मांतरों के पुण्य स्वरुप ही उन्हे ऐसी उत्कृष्ट मृत्यु प्राप्त हुई जो महोत्सव के समान है।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / मामा का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय (रेलवे समयानुसार)
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.
16. प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

कृपया उक्त प्रारुप में ही बायोडाटा भेजने का कष्ट करें ताकि प्रत्याशी के विवरण में कोई भी जानकारी अधूरी न रहें।

1. 01
2. रवीना रवीन्द्रकुमार जैन
3. सिंघई/धर्मसैया
4. 23.06.90
5. 14.47
6. झाँसी
7. एमबीए मार्केटिंग
8. 5'3''/53 कि.ग्रा.
9. गेहुँआ
10. नौकरी
11. 2.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. जैन मंदिर के पास, तिलक नगर बी.एच.ई.एल. झाँसी (यू.पी.)
15. 9451832713, 8953592142
16. vj3122@gmail.com

1. 02
2. रजनेश दयाचंद जैन
3. लांगुर
4. 14.11.84
5. –
6. ब्रजपुर (जिला पन्ना)
7. एमबीए, बीएससी (गणित)
8. 5'4''
9. गेहुँआ
10. सर्विस – ब्रांच क्रेडिट मैनेजर
11. 3.50 लाख
12.
13.
14. ग्राम ब्रजपुर, पोस्ट ब्रजपुर जिला पन्ना
15. 9584473767, 8519043017
16.

1. 03
2. प्रभात प्रकाशचंद जैन
3. पंचरतन
4. 19.12.84
5. 18.30
6.
7. बीएससी, पीजीडीसीए
8. 5'3''
9. गोरा
10. कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट
11. 4.20 लाख
12. –
13. –
14. 47, न्यू चित्रा नगर, वेलोसिटी टाकिज के पीछे, इन्दौर
15. 9893095759, 7722988949

1. 04
2. नीलेश सनतकुमार जैन
3. पंचरत्न/लांगुर
4. 17.09.78
5. 11.00
6. अहमदाबाद
7. बीएससी (केमिस्ट्री)
8. 5'7''
9. गोरा
10. नौकरी
11. 2.40 लाख
12. –
13. नहीं
14. 53, विमल पार्क सोसायटी, गौरी सिनेमा के पीछे, ओढवरोड, अहमदाबाद
15. 09427526470, 09474895023
16.

1. 05
2. अजित अशोककुमार जैन
3. पणीश/वैद्य
4. 27.11.83
5. 02.10
6. विदिशा
7. बीबीए
8. 5'6''
9. गेहुँआ
10. ट्रांसपोर्ट सर्विस (ट्रेवल्स)
11. 2.40 लाख
12. हाँ
13. मांगलिक
14. प्रताप भानु शर्मा के पास, लुहांगीपुरा, विदिशा
15. 09968423489, 011-22573524
16.

1. 06
2. राहुल सनतकुमार जैन
3. पंचरत्न/लांगुर
4. 08.09.86
5. 4.30
6. अहमदाबाद
7. बीई इलेक्ट्रीकल
8. 5'6''
9. गोरा
10. इसरो अहमदाबाद
11. 3.40 लाख
12. –
13. नहीं
14. 53, विमल पार्क सोसायटी, गौरी सिनेमा के पीछे, ओढवरोड, अहमदाबाद
15. 09427526470, 09474895023
16.

1. 07
2. वैभव वीरेन्द्रकुमार जैन
3. वैद्य/लांगुर
4. 29.07.86
5. 5.00
6. विदिशा
7. बी.ई. (मेकेनिकल)
8. 5'9''/70कि.ग्रा.
9. गोरा
10. शा.सर्विस – विदिशा
11. 3.20 लाख
12. –
13. नहीं
14. 70,वी.टी.आई. रोड शेरपुरा, विदिशा
15. 07592-250505, 9406550505
16. mechvj@gmail.com

1. 08
2. सौरभ वीरेन्द्रकुमार जैन
3. दिवाकीर्ति/पवैया
4. 29.04.84
5. 05.00
6. ललितपुर
7. एम.टेक (इलेक्ट्रीकल्स)
8. 5'9''/60 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. असि. प्रोफेसर, विदिशा
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 'प्रेरणा', गली नं. 2 गणेशगंज मार्ग, विदिशा
15. 07592-236901, 9425463801
16.

1. 09
2. शशांक सतीशचंद्र जैन
3. फणीश/दिवाकीर्ति
4. 08.02.88
5. 20.55
6. ललितपुर
7. बीएड., एम.कॉम
8. 5'7''
9.
10. कपड़े की दुकान
11. –
12. –
13. –
14. 399, अटल विद्या मंदिर के पीछे आजादपुरा, ललितपुर
15. 08960660862,
16.

1. 10
2. यतीन्द्र चन्द्रमोहन जैन
3. गोत/फणीश
4. 11.03.86
5. 4.25
6. जरुवाखेड़ा
7. एम.ए, बी.एड.
8. 5'10''
9. गोरा
10. नौकरी – एस.बी.आई
11. –
12. –
13. –
14. मुकाम पोस्ट जरुवाखेड़ा सागर
15. 07584-27373, 7879101114
16.

1. 11
2. अंशुल जिनेन्द्रसहाय जैन
3. गोट/पंचरत्न
4. 07.05.87
5. 06.00
6. झांसी
7. बी.टेक
8. 5'8''
9. गोरा
10. एसेन्चर कंपनी, मुंबई
11. 7.75 लाख
12. –
13. नहीं
14. 385, देहरे के चबूतरा के पास आजादपुरा, ललितपुर
15. 09889254505, 8115062704
16.

1. 12
2. राहुल जयकुमार जैन
3. गुडारे/पवैया
4. 04.04.86
5. –
6. –
7. बी.ई. (आई.टी)
8. 5'8''
9. –
10. सर्विस– एम.एन.सी, इन्दौर
11. 4.00 लाख
12. –
13. –
14. जनता स्कूल के सामने पोस्ट सीहोरा, जिला जबलपुर
15. 9165115769, 9424678727
16. –

1. 13
2. सृष्टि सुभाष जैन
3. दिवाकीर्ति/पंचरत्न
4. 15.12.90
5. 17.19
6. सागर
7. बी.ई. (आई.टी.)
8. 5'1''/47 कि.ग्रा.
9. गेहुँआ
10.
11.
12. हाँ
13. –
14. 177, राजीव नगर, इंद्रलोक नगर के पास रतलाम
15. 9300779927, 07412-235020

1. 14
2. रोहित राजेन्द्रकुमार जैन
3. फणीश/पंचरत्न
4. 22/09/1986
5. 14.50
6. ललितपुर
7. बी.एस.सी. इलेक्ट्रानिक्स
8. 5' 10''/ 67 कि.ग्रा.
9. साफ
10. इंफोसिस एनालिस्ट, सिंगापुर
11. 4700 डॉलर
12. –
13. –
14. 106, गाँधी नगर, श्री आ.दि. जैन मंदिर के पास, ललितपुर
15. 9889333789, 9630450886
16. email : rohitkj22@gmail.com

1. 15
2. पूनम महेन्द्र कुमार जैन
3. फणीश/दिवाकीर्ति
4. 09/05/1990
5. 17.45
6. ललितपुर
7. एम.कॉम, बी.एड.
8. 5' 1''
9. गोरा
10. अध्यापिका
11. –
12. –
13. –
14. 5/1, रावरपुरा दि. जैन बड़े मंदिर के पास, ललितपुर
15. 9506713713, 9452118548
16. -

बधाईयाँ –

* श्रीमती मृदुला प्रकाशचंद जैन हुसनापुरवालों को श्री चन्दाप्रभु महिला मंडल विदिशा के चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। आपने इस संगठन में कई वर्षों से अनेक पदों पर रहते हुए समाज कार्यों का पूर्ण मनोयोग से निर्वाह किया है। शीतलधाम मंदिर में पर्यूषण पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में आपके मंडल द्वारा तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

* कु. सम्प्रति डॉ. प्रतिभा संदीप जैन उच्च अध्ययन के लिए IOWA STATE UNIVERSITY (US) जा रही है। उनकी माताजी डॉ. प्रतिभा जैन होम्योपैथिक की ख्यातनाम डाक्टर है जो विजय नगर मंदिर में वर्षों से अपनी सेवाएं दे रही है।

गत अंक में सम्प्रति की माताजी का नाम डॉ. प्रतिभा जैन की जगह कविता जैन प्रकाशित हो गया है जिसका हमें खेद है।

श्री साँई सलाद काँच एवं ज्यूस मॉकटेल काउंटर

रसोई बनवाना, सर्विस केटरिंग, डेकोरेशन, नर्सरी, प्लेट सिस्टम आदि कार्य सर्विस द्वारा कराये व किये जाते है।

7-बी, शीतल नगर, रेडीसन होटल के सामने, इन्दौर
संदीप जैन 98263-41751, 90393-65613

TIRUPATI TRADERS
Purchase of All Kind of Scrape Items

कोरियर द्वारा पत्रिका भेजने की व्यवस्था

गोलालारीय दर्शन पत्रिका शासन के मापदण्डों के अनुसार साधारण डाक से आप तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करते है फिर भी कई परिवारों तक पत्रिका नहीं पहुंच पाती है, इस दुविधा को दूर करने के उद्देश्य से हमने मधुर कोरियर के माध्यम से पत्रिका भेजने का विचार करा है। आजीवन सदस्य ही इस सुविधा का लाभ ले पायेंगे। मधुर कोरियर के द्वारा मध्यप्रदेश में 150 रु. प्रतिवर्ष व मध्यप्रदेश के बाहर 200 रु. अग्रिम रुप से जमा करने पर ही यह सुविधा सुनिश्चित की जा सकेगी।

– संपादक मंडल 'गोलालारीय दर्शन'

संपर्क – श्री बाहुबली जैन 9425903301

इन्दौर गोलालारीय समाज की बहुआयामी पारिवारिक पुस्तिका 'प्रयास' के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है। इस पुस्तिका में मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र में निवासरत गोलालारीय परिवार की जानकारी प्रकाशित की जाना है। जिन परिवारों ने जनगणना फार्म जमा नहीं कराये है वे शीघ्र ही जमा करावें एवं जिन परिवारों को फार्म प्राप्त नहीं हुए है वे 9329524227, 9425903301, 9424013136 पर संपर्क कर फार्म प्राप्त कर सकते है। विशेष – नगर में अध्ययनरत/नौकरी/व्यवसाय कर रहे एकल व्यक्ति भी अपनी जानकारी अवश्य देवें। समाज जनों से सादर अनुरोध है कि वे इस सूचना की जानकारी शहर में आये नवीन परिवारों या शिक्षारत विद्यार्थियों को अवश्य देवें।

108 मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज के चातुर्मास से डोले तक की अविस्मरणीय दृश्य

108 मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज के चरणों में श्रद्धानवत्

श्रीमती शोभना-अनिलकुमार जैन (फूड इंस्पेक्टर, इन्दौर), अंशुल जैन, अंचल जैन

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित